अनुक्रमणिका

अनुक्रमणिका

प्रथम अध्याय :– " स्वदेश दीपक : व्यक्तित्व एवं कृतित्व " 1 से 8

प्रस्तावना

1.1 जीवन परिचय ।

1.2 व्यक्तित्व ।

1.3 कृति परिचय ।

1.4 पुरस्कार एवं सम्मान ।

1.5 नाटकों का मंचीकरण ।

निष्कर्ष ।

द्वितीय अध्याय :– "स्वदेश दीपक के नाटकों का साँमान्य परिचय" 9 से 38

प्रस्तावना

2.1 नाटक बाल भगवान ।

2.2 कोर्टमार्शल ।

2.3 काल कोठरी ।

2.4 जला हुआ रथ ।

2.5 सबसे उदास कविता ।

निष्कर्ष ।

तृतीय अध्यायः– " "कोर्टमार्शल" और "काल कोठरी" नाटकों का शिल्पगत अध्ययन" 39 से 92

प्रस्तावना

3.1 कथावस्तु।

3.2 पात्र एवं चरित्र–चित्रण ।

3.3 कथोपकथन या संवाद ।

3.4 देशकाल–वातावरण ।

3.5 भाषा शैली ।

3.6 उद्देश्य ।

3.7 शीर्षक की सार्थकता ।

निष्कर्ष ।

चतुर्थ अध्याय :– " "कोर्टमार्शल" और "काल कोठरी" नाटकों में चित्रित समस्याएँ " ९३ ते १०९

प्रस्तावना

4.1 कोर्टमार्शल

4.1.1 जातियता की समस्या ।

4.1.2 शोषण की समस्या ।

4.1.3 भ्रष्टाचार की समस्या ।

4.1.4 न्यायव्यवस्था की समस्या ।

4.1.5 शोषणमूलक अफसरी सभ्यता की समस्या ।

4.1.6 अहंकार की समस्या।

4.1.7 काम की समस्या ।

4.2 काल कोठरी

4.2.1 आर्थिक समस्या ।

4.2.2 कलाकार की उपेक्षा ।

4.2.3 साहित्यिक समस्या ।

4.2.4 व्यवस्था की समस्या ।

4.2.5 पारिवारिक समस्या ।

4.2.6 प्रेम के खोखले आदर्श की समस्या ।

निष्कर्ष ।

पंचम अध्याय :– " "कोर्टमार्शल" और "काल कोठरी" नाटकों की रंगमंचीयता " ११० ते १२५

प्रस्तावना

5.1 हिंदी रंगमंच ।

5.2 विवेच्य नाटकों में मंचीयता ।

5.2.1 निर्देशन एवं मंच व्यवस्थापन ।

5.2.2 अभिनय।

5.2.3 रूप–सज्जा(वेशभूषा)।

5.2.4 दृश्य–सज्जा।

5.3 प्रकाश योजना।

5.4 ध्वनि एवं संगीत संयोजन ।

5.5 रंगमंचीय प्रस्तुति और दर्शकीय संवेदना ।

निष्कर्ष ।

उपसंहार । 126 ते 130

परिशिष्ट । 131 ते 136

संदर्भ ग्रंथ सूची । 137 ते 140